

गंगा एक्सप्रेसवे तैयार, प्रधानमंत्री 29 को करेंगे लोकार्पण

राज्य खूबो, जामरुण लखनऊ: मेरठ को प्रयागराज से जोड़ने वाला 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है। यह राज्य का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई से इसका लोकार्पण करेंगे। 36,230 करोड़ रुपये की लागत से तैयार छह लेन के इस एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के बाद 12 जिलों को सबसे ज्यादा लाभ होगा।

जून 2020 में इस परियोजना पर काम शुरू किया गया था। इसके लोकार्पण के बाद देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो जाएगी। साथ ही भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों के लिए शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास बनी हवाई पट्टी भी रणनीतिक तौर पर युद्ध होने पर वायु सेना के लिए मददगार साबित होगी।

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुहापुर दांडू गांव के पास समाप्त होगा। यह मार्ग पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सीधे पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ते हुए प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करेगा। साथ ही 120

60 हिस्सेदारी अब होगी उत्तर प्रदेश की देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में

594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे से बढ़लेगी प्रदेश के 12 जिलों की तस्वीर

6 लेन का एक्सप्रेसवे 36,230 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे



किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से यात्रा को तेज, सुरक्षित व सुगम बनाएगा। इस एक्सप्रेसवे से मेरठ, हापड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज को सीधा लाभ मिलेगा।

इन जिलों के 519 गांव इस परियोजना से जुड़े हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। इस एक्सप्रेसवे से राज्य की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। इसके चलते लाजिस्टिक्स की

लागत कम होगी, जिससे उद्योगों और व्यापार को बड़ा लाभ मिलेगा। यह एक्सप्रेसवे नए औद्योगिक कारिडोर के रूप में विकसित होकर निवेश आकर्षित करेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा।

29 को गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई से गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर वे राज्य के विकास और आर्थिक गतिविधियों का निरीक्षण करेंगे।

16 अप्रैल को जामरुण में प्रकाशित खबर

दो मुख्य और 19 रैप टोल प्लाजा

एक्सप्रेसवे पर प्रयागराज व मेरठ में दो मुख्य टोल प्लाजा बनाए गए हैं, जबकि 19 स्थानों पर रैप टोल प्लाजा बनाए गए हैं। हापड़ में गंगा नदी पर 960 मीटर व बदायूं में रामगंगा नदी पर 720 मीटर लंबा पुल भी इसमें शामिल है।

कृषि, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा एक्सप्रेसवे से सीधा फायदा

किसानों के लिए यह एक्सप्रेसवे मददगार साबित होगा। किसान कृषि उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी कीमत बेहतर होगी। जल्द खराब होने वाले कृषि उत्पादों की आपूर्ति वेन मजबूत होने से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते राज्य में सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रयागराज सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

● हरदोई से होगा लोकार्पण, पश्चिम उग्र से जुड़ेगा पूर्वी उग्र



गंगा एक्सप्रेसवे का विहंगम दृश्य (फाइल)

अदाणी इंटरप्राइजेज ने पूरा किया 80 प्रतिशत काम

डीबीएफओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन व हस्तांतरण) मॉडल पर बना यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है। इसके 80 प्रतिशत हिस्से का निर्माण अदाणी इंटरप्राइजेज और 20 प्रतिशत हिस्से का निर्माण आइआरसी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने कराया है। इसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है।

इन एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर भी हो रहा है काम

राज्य में वर्तमान में विध्य एक्सप्रेसवे, विध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे, मेरठ-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेसवे, चित्रकूट-सीता लिंक एक्सप्रेसवे, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे, लखनऊ लिंक एक्सप्रेसवे (आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे), फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे (गंगा एक्सप्रेसवे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे), जेवर लिंक एक्सप्रेसवे (यमुना एक्सप्रेसवे, जेवर एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेसवे वाया बुलंदशहर) व झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर भी उग्र एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) तेजी के साथ काम कर रहा है।

